राजस्थान क्लासेज
Download More PDF's
WWW.RAJASTHANCLASSES.IN
आदर्श कुमावत

हाई कोर्ट चतुर्थ श्रेणी

Class - 7

कर्मचारी भर्ती परीक्षा 2026

राजस्थानी

कहावतें & लोकोक्तियाँ

राजस्थान क्लासेज
Download More PDF's
WWW.RAJASTHANCLASSES.IN
आदर्श कुमावत

हाईकोर्ट चतुर्थ श्रेणी Exam 2026

निशुल्क नोट्स

Whatsapp Group

8107670333

नाम व जिले का नाम लिखकर मेसेज करे

- Click Here

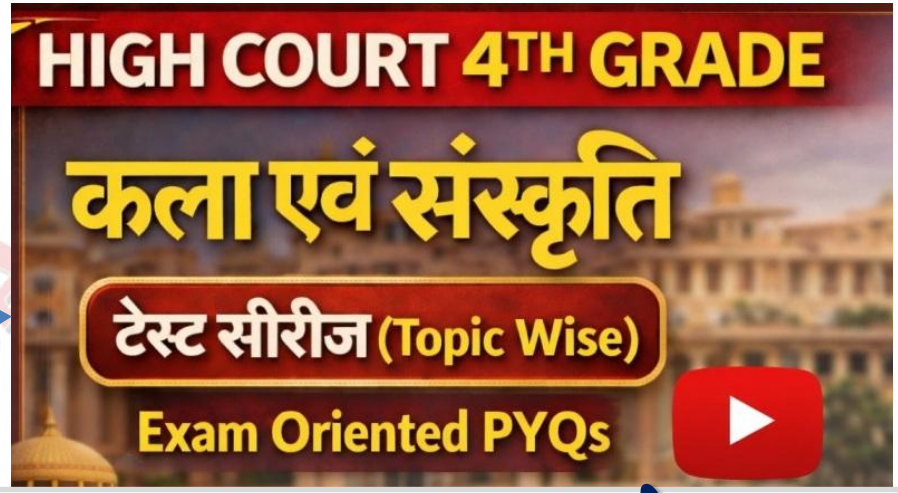

App - rajasthan360

- हिंदी बुक pdf - मात्र 19/- मे

राजस्थान क्लासेज

- गोलो र मूंज पराये बल आंवसैं - दास अपने स्वामी के बल पर अकड़ता हैं।
- घटतोला मिल बोला - जो लालची होता हैं वह सिर्फ अपने स्वार्थ सिद्ध करने के लिए ही मधुर वचन बोलता हैं।
- घण जायां घण ओळामा, घण जायां घणं हाण - कोई भी चीज सीमित हो, तो ही अच्छी लगती हैं।
- घण जायां घण नास - अति बुरी होती हैं।
- सगलैं गुण की बूज हैं - सभी जगह गुणों का आदर होता हैं।
- घर की आदी ई भली - जो पास में हो उसी से गुजारा चला लेना चाहिए।

- भैंस रै आगै बीण बजाई, गोबर रो इनाम - गुण-ग्राहक ही गुणों की कद्र कर सकता है।
- भै बिना परीत कोनी -डर के बिना काम नहीं होता।
- दिनगे रो भूल्यो सिंझ्या धरां आज्या तो भूल्योड़ो कोनी बाजै - सुबह का भूला शाम को घर आ जाये तो वह भूला नहीं कहलाता।
- दीवै तकै अंधेरो - अपनी कमी या बुराई न देख पाना।
- मतीरा तो मौसम राई मीठा लागै - समय पर हुआ कार्य ही उचित होता है।
- दूखै जकै रै पीड़ हुवै- जिसके कष्ट होगा उसी के दर्द होगा।

- मन-मन भावें मूंड हिलावें - मन में अच्छा लगता हैं लेकिन ऊपरी दिखाये में सिर हिला कर ना करना।
- मन रा लाडुवां सूं भूख नीं भाग्या करें- कल्पना के लड्डुवों से भूख शान्त नहीं होती !
- मन रैं हारयां हार हैं मन रैं जीत्यां जीत - मन में निश्चय करने पर ही कार्य हो पाता हैं।
- भरोसैं री भैंस पाडो ल्याई - जिस कार्य में विशेष लाभ की आशा हो लेकिन वैसा लाभ न हो पाये।

RAJASTHAN CLASSES राजस्थान क्लासेज

- दूध रो बळयोड़ौ छाछ नैं फूंक दे देर पीवै- एक बार चोट खाया व्यक्ति आगे बहुत सावधानी रखता हैं।
- दूधां न्हावो पूतां फळो - हर प्रकार की समृद्धि मिले।
- दूर रा ढोल सुहावणा लागै - किसी और की वास्तु प्रिय लगती हैं
- आंधा की माखी राम उड़ावै - निर्बल का परमात्मा सहायक हैं।
- आपनैं उपजै कोनी, दूसरों की मानैं कोनी - विवेकहीन व्यक्ति न तो स्वयं बुद्धि रखते हैं और न किसी की सलाह मानते हैं।
- दूध रो दूध, पांणी रो पांणी। दूध का दूध, पानी का पानी। सही-सही न्याय करना।

- आम फलैं नीचो नवैं, अरंठ आकासां जाय - सज्जन व्यक्ति सामर्थ्य पाकर विनम्र बनते हैं, दुष्ट व्यक्ति सामर्थ्य पाकर घमण्डी होते हैं।
- आला बंचैं न आपसैं, सूखा बंचैं न कोई के बाप सैं- हस्तलेख खराब होना।
- ओस चाट्यां कसो पेट भरै - निरर्थक प्रयास फलदायी नहीं होता।
- 'ई हाथ लियौ' र वीं हाथ डकार ग्यौ - माल हड़पने में दक्ष होना।
- काकड़ी की चोरी र' मूकां री मार - अपराध के अनुरूप ही दण्ड दिया जाता है।
- कात्या जिका सूत, जाया जिका पूत - अपना किया हुआ काम और अपनी ही औलाद काम आती है।

राजस्थान क्लासेज

- आंधी बाटैं गूगली नैं फर-फर घर रा नैं देवैं- बार बार अपनों को ही फायदा पहुंचाना।
- आटैं दाळ रौं भाव ठा पड़णौं - होश ठिकाने आना।
- आधी नैं छोड़ आखी भावैं तौं आधी ई जावैं - अत्यधिक लोभ नुकसादायक होता हैं।
- आपरी मां नैं कुण डाकण केवैं -स्वयं में या अपने लोगों में कौंन दोष निकालता हैं।
- आयौं तौं छाछ नैं अर भिलोवणा रौं धणी बणणौं - जिस चीज को माँगने आया उस चीज पर अधिकार जताना।

RAJASTHAN CLASSES राजस्थान क्लासेज

राजस्थान क्लासेज
Download More PDF's
WWW.RAJASTHANCLASSES.IN
आदर्श कुमावत

हाईकोर्ट चतुर्थ श्रेणी

Exam 2026

निशुल्क नोट्स

Whatsapp Group

8107670333

नाम व जिले का नाम लिखकर मेसेज करे

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज

- Click Here

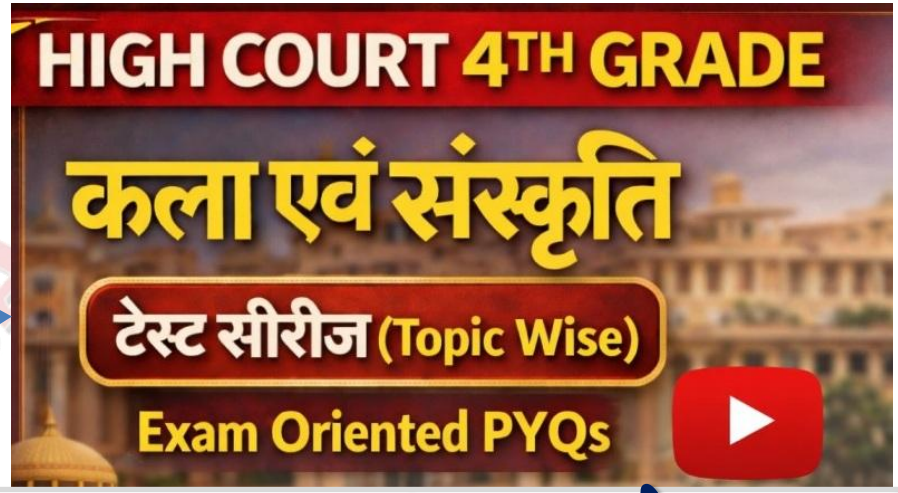

App - rajasthan360

- हिंदी बुक pdf - मात्र 19/- मे

राजस्थान क्लासेज